UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus

And

Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi

At the

S.Y.B.A. PAPER- II & III

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

(With effect from the Academic Year: 2020-2021)

CamScanner

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the

Subject of Hindi- PAPER II & III at the

S.Y.B.A. Examination

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

(With effect from the Academic Year: 2020-2021)

हिन्दी अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष : डॉ. अनिल सिंह

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (सदस्य)
2. डॉ. हूबनाथ पाण्डेय (सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
4. डॉ. शीला आहुजा (सदस्य)
5. डॉ. चित्रा गोस्वामी (सदस्य)
6. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)
7. डॉ. प्रकाश धुमाल (सदस्य)
8. डॉ. गौतम सोनकांबले (सदस्य)
9. डॉ. मोहसिन ख़ान (सदस्य)

पाठ्यक्रम समिति

प्रश्न - पत्र II	प्रश्न - पत्र III
1. डॉ. मोहसिन ख़ान (समन्वयक)	**1. प्रा. तबस्सुम ख़ान (समन्वयक)**
2. डॉ. उमेश चन्द्र शुक्ल (सदस्य)	2. डॉ. सतीश पाण्डेय (सदस्य)
3. डॉ. एम. एच. सिद्दीक़ी (सदस्य)	3. डॉ. रमा विनोद सिंह (सदस्य)
4. डॉ. अशोक ए. सालुंखे (सदस्य)	4. डॉ. नारायण बागुल (सदस्य)
5. प्रा. बालासाहेब गुंजाल (सदस्य)	5. प्रा. संजय वी. निंबालकर (सदस्य)
6. डॉ. प्रवीण चंद्र बिष्ट (सदस्य)	6. डॉ. एस. टी. आवटे (सदस्य)
	7. प्रा. संज्योति एम. सानप (सदस्य)

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

CamScanner

PAPER II, SEMESTER – III

NAME OF PROGRAM	**: B. A. (C.B.C.S)**
NAME OF THE COURSE	**: S. Y. B. A.**
COURSE CODE	**: UAHIN301**
TOTAL LECTURES	**: 45**
CREDITS	**: 03**

अभिप्राय एवं उद्देश्य- Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को हिन्दी की मध्यकालीन और आधुनिककालीन पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
2. हिंदी काव्य के मध्यकाल से लेकर अद्यतन काव्य की प्रवृत्तियों एवं कविता के विकास से अवगत कराते हुए काव्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध करना।
3. काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को दर्शना।

परिणाम- Outcomes:

1. विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
2. विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिलेगा।
3. विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।

अध्यापन प्रणालियाँ- Teaching Method:

1. व्याख्यान, विश्लेषण तथा व्याख्यात्मक पद्धति का प्रयोग।
2. दृश्य/श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।
3. उदाहरण द्वारा पुष्टि एवं लेखकों के अतिथि व्याख्यान।
4. स्वाध्याय / परियोजना।

CamScanner

S. Y. B. A. PAPER II, SEMESTER – III (C.B.C.S)

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. मध्यकालीन और आधुनिक काव्य संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
राजपाल एण्ड संज, 1590, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ-

- ***मध्यकालीन काव्य***

(क) कबीर के दोहे (कबीर-ग्रन्थावली, संपा. डॉ. माताप्रसाद गुप्त)

गुरुदेव कौ अंग-

1. पीछैं लागा जाइ.....दीपक दीया हाथि॥

2. सतगुर साचा सुरिवां.....लीया ततसार॥

सुमिरण कौ अंग-

1. जिहि घटि प्रीति.....उपजि खये बेकांम॥

2. लूटि सकै तो.....यहु तन जैहै छूटि॥

बिरह कौ अंग-

1. यहु तन जालौं.....रांम पठांउं॥

2. अंखड़ियां झांईं.....पुकारि पुकारि॥

(ख) सूरदास के पद (भ्रमरगीत-सार, संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

1. ए अलि! कहा जोग.....जहर की बेली॥

2. अँखियाँ हरि-दरसन.....सरिता हैं सुखी॥

3. निर्गुन कौन देस को.....सबै मति नासी॥

4. उधो! मन नाहीं दस.....पुरबौ मन जगदीस॥

(ग) तुलसीदास के पद (विनय-पत्रिका, तुलसीदास गीताप्रेस गोरखपुर)

1. दीन को दयालु.....तुलसिदास मेरो॥

2. तू दयालु, दीन हौं.....चरन-सरन पावै॥

3. कबहूँ मन बिस्राम.....जनम सिरान्यो॥

4. जाऊँ कहाँ तजि.....अपनपौ हारे॥

CamScanner

(घ) मीराँबाई के पद (संत मीराँबाई और उनकी पदावली, संपा. बलदेव वंशी)

1. बसो मेरे नैनन.....भक्त वछल गोपाल॥

2. मेरे तो गिरधर गोपाल.....तारो अब मोहि॥

3. पग घुँघरू बांध मीराँ.....की दासी रे॥

4. दरस बिन दूखन.....मेटण सुख दैण॥

(ङ) रहीम के दोहे (रहीम ग्रन्थावली, संपा. विद्यानिवास मिश्र एवं गोविंद रजनीश)

1. एकै साधे सब.....फूलै फलै अघाय।।

2. खैर, खून, खाँसी.....जानत सकल जहान।।

3. जो रहीम उत्तम.....लपटे रहत भुजंग।।

4. बिगरी बात बनै.....मथे न माखन होय।।

5. रहिमन अँसुआ नैन.....भेद कहि देइ।।

6. रहिमन धागा प्रेम.....गाँठ परि जाय।।

(च) बिहारी के दोहे (बिहारी रत्नाकर- श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर')

1. मेरी भव-बाधा.....हरित-दुति होइ॥
2. कहत, नटत, रीझत.....नैननु हीं सब बात॥
3. कागद पर लिखत.....मेरे हिय की बात॥
4. या अनुरागी चित्त.....उज्जलु होइ॥
5. घरु घरु डोलत दीन.....बड़ौ लखाइ॥
6. मोहन-मूरति स्याम.....प्रतिबिंबितु जग होइ॥

- ***आधुनिक काव्य***

1. मनुष्यता	:	मैथिलीशरण गुप्त
2. वह तोड़ती पत्थर	:	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
3. कोशिश करने वालों की हार नहीं होती	:	सोहनलाल द्विवेदी
4. जो बीत गई सो बात गई	:	हरिवंशराय बच्चन
5. अपना अहम् नहीं बेचूंगा	:	रामावतार त्यागी
6. शीशे और पत्थर का गणित	:	दिनकर सोनवलकर
7. आज सड़कों पर लिखे हैं (ग़ज़ल)	:	दुष्यंत कुमार

CamScanner

8. माँ पर नहीं लिख सकता कविता	:	चंद्रकांत देवताले
9. विकल्प	:	राजेश जोशी
10. एक और युद्ध	:	ओमप्रकाश वाल्मीकि
11. नये इलाक़े में	:	अरुण कमल
12. उतनी दूर मत ब्याहना बाबा !	:	निर्मला पुतुल

2. स्वयंप्रभा (खंडकाव्य) : लेखक – रमाकांत शर्मा 'उद्भ्रांत'
प्रकाशक : अमन प्रकाशन 104/80C रामबाग, कानपुर-208012

इकाई- विभाजन- SEMESTER-III, PAPER II, COURSE CODE- UAHIN301

इकाई-1-व्याख्यान-04- **कबीर, सूरदास** (पाठ वाचन एवं व्याख्या)
इकाई-2-व्याख्यान-04- **तुलसी, मीराँबाई** (पाठ वाचन एवं व्याख्या)
इकाई-3-व्याख्यान-04- **रहीम, बिहारी** (पाठ वाचन एवं व्याख्या)
इकाई-4-व्याख्यान-15- **आधुनिक काव्य** (पाठ वाचन एवं व्याख्या)
इकाई-5-व्याख्यान-13- **स्वयंप्रभा** (पाठ वाचन एवं व्याख्या)
व्याख्यान-05-पाठालोचन और प्रश्न चर्चा

क्रेडिट- 03

विद्यार्थियों हेतु प्रश्न पत्र का प्रारूप

प्रश्न पत्र II, सेमेस्टर III (तृतीय सत्र)

पूर्णांक- 100	**समय- 03:00 घंटे**
प्रश्न-1 संदर्भ सहित व्याख्या (दोनों पुस्तकों में से विकल्प सहित)	अंक-20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोनों पुस्तकों में से विकल्प सहित)	अंक-40
प्रश्न-3 सामान्य प्रश्न (दोनों पुस्तकों में से किसी एक का उत्तर अपेक्षित)	अंक-20
प्रश्न-4 टिप्पणियाँ (दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित)	अंक-10
प्रश्न-5 अतिलघूत्तरी वस्तुनिष्ठ (दोनों पुस्तकों में से)	अंक-10
	योग = 100

CamScanner

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. कबीर ग्रंथावली – संपा. डॉ माताप्रसाद गुप्त
3. विनय पत्रिका – वियोगी हरि
4. सूरदास – व्रजेश वर्मा
5. संत मीराँबाई और उनकी पदावली – संपा. बलदेव वंशी
6. बिहारी रत्नाकर- श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
7. भक्ति के तीन स्वर : मीरा, सूर, कबीर – जॉन स्ट्रैटन हौली, अनुवाद-अशोक कुमार
8. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
9. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
10. छायावाद – नामवर सिंह
11. भारतेन्द हरिश्चंद्र – डॉ. रामविलास शर्मा
12. निराला की साहित्य साधना - डॉ. रामविलास शर्मा
13. दुष्यंत कुमार की ग़ज़लों का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. सरदार मुजावर
14. रहीम के काव्य में पुराख्यान – डॉ. मोहसिन ख़ान
15. ये रहीम दर दर फिरिहिं – डॉ. श्रीकांत उपाध्याय
16. आदिवासी साहित्य यात्रा – संपा. रमणिका गुप्ता
17. दलित साहित्य का समाजशास्त्र - ओमप्रकाश वलमिकी
18. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – शरणकुमार लिंबाले
19. भारतीय साहित्य शास्त्र – बलदेव उपाध्याय

CamScanner

PAPER II, SEMESTER –IV

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)
NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A.
COURSE CODE : UAHIN401
TOTAL LECTURES : 45
CREDITS : 03

अभिप्राय एवं उद्देश्य- Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को गद्य की व्यंग्य विधा की प्रसिद्ध, प्रचलित व्यंग्यात्मक रचनाओं एवं समकालीन परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक, मानवीय, संस्कृतिक और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
2. हिंदी गद्य के प्रारम्भिक काल में प्रस्फुटित व्यंग्य रचनाओं से लेकर अद्यतन व्यंग्यात्मक रचनाओं, प्रवृत्तियों एवं व्यंग्य के विकास से अवगत कराते हुए काव्य के सामाजिक, मानवीय संतुलन-असंतुलन को दर्शाते हुए सकारात्मक पक्षों को बल देना एवं समूहिक नैतिकता को समृद्ध करना।
3. व्यंग्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न व्यंग्य दृष्टियों उजागर कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ आमजीवन के क्षेत्र में व्यंग्य की उपादेयता को दर्शाते हुए उसके विभिन्न सरोकारों से अवगत कराना।

परिणाम- Outcomes:

1. विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, संस्कृतिक और राजनीतिक मूल्यों का गुणात्मक विकास होगा।
2. विद्यार्थियों में राष्ट्र-निर्माण हेतु नये सामाजिक, राजनीतिक, संस्कृतिक विचारों का प्रसार होगा और दायित्व-बोध निर्वहन का विकास होगा।
3. विद्यार्थियों में नये वैश्विक मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं मूल्यवादी दृष्टि के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
4. विद्यार्थियों में साहित्य-रसास्वादन के साथ कलात्मक अभिरुचि का निर्माण होगा, रचनात्मक-कौशल को बढ़ावा मिलेगा।

अध्यापन प्रणालियाँ- Teaching Method:

1. व्याख्यान, विश्लेषण तथा व्याख्यात्मक पद्धति का प्रयोग।
2. दृश्य/ श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।
3. उदाहरण द्वारा पुष्टि एवं लेखकों, अतिथियों के व्याख्यान।
4. स्वाध्याय/ परियोजना।

CamScanner

S. Y. B. A. PAPER II, SEMESTER –IV (C.B.C.S)

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. व्यंग्य-वीथी संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
राधाकृष्ण प्रकाशन, जी-17 जगतपुरी, दिल्ली-110 051

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित व्यंग्य निबंध-

1. वसीयत	:	भगवती चरण वर्मा
2. सुदामा के चावल	:	हरिशंकर कर परसाई
3. एक लाख	:	शंकर पुणतांबेकर
4. बापू की विरासत	:	नामवर सिंह
5. बंसी वाले का पुजारी	:	शरद जोशी
6. वाह रे ! हमदर्द	:	घनश्याम अग्रवाल
7. प्रभु जी, तुम डॉलर हम पानी	:	सूर्यबाला
8. छूकर चरण भाग्य बनाते हैं	:	स्नेहलता पाठक
9. कन्या रत्न का दर्द	:	प्रेम जनमेजय
10. वाशिंग मशीन में बाल सरस्वती	:	बी. एल. आच्छा
11. गाँव के स्कूल में कम्प्यूटर	:	ज्ञान चतुर्वेदी
12. ऐनक के बहाने	:	ब्रजेश कानूनगो

2. शकुंतिका (उपन्यास) : लेखक - भगवानदास मोरवाल
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, 1-बी. नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली।

इकाई- विभाजन- SEMESTER-IV, PAPER II, COURSE CODE- UAHIN401

इकाई-1-व्याख्यान-08- **वसीयत** से **बापू की विरासत** निबंध तक (पाठ वाचन एवं व्याख्या)

इकाई-2-व्याख्यान-08-**बंसी वाले का पुजारी** से **छूकर चरण भाग्य बनाते हैं** निबंध तक (पाठ वाचन एवं व्याख्या)

इकाई-3-व्याख्यान-08- **कन्या रत्न का दर्द** से **ऐनक के बहाने** व्यंग्य निबंध तक (पाठ वाचन एवं व्याख्या)

इकाई-4-व्याख्यान-08- **उपन्यास** (पाठ वाचन एवं व्याख्या)

इकाई-5-व्याख्यान-08- **उपन्यास** (पाठ वाचन एवं व्याख्या)

व्याख्यान-05-पाठालोचन और प्रश्न चर्चा

क्रेडिट- 03

CamScanner

विद्यार्थियों हेतु प्रश्न पत्र का प्रारूप

प्रश्न पत्र II, सेमेस्टर IV(चतुर्थ सत्र)

पूर्णांक- 100	**समय- 03:00 घंटे**
प्रश्न-1 संदर्भ सहित व्याख्या (दोनों पुस्तकों में से विकल्प सहित)	अंक-20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोनों पुस्तकों में से विकल्प सहित)	अंक-40
प्रश्न-3 सामान्य प्रश्न (दोनों पुस्तकों में से किसी एक का उत्तर अपेक्षित)	अंक-20
प्रश्न-4 टिप्पणियाँ (दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित)	अंक-10
प्रश्न-5 अतिलघूत्तरी वस्तुनिष्ठ (दोनों पुस्तकों में से)	अंक-10
	योग = 100

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंध – डॉ. शशि मिश्र
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य में व्यंग्य – वीरेंद्र मेहंदीरत्ता
3. हरिशंकर परसाई के व्यंग्य साहित्य में मिथकीय संरचना का अनुशीलन – डॉ. शरद सुनेरी
4. परसाई के साहित्य में समकालीन यथार्थ – डॉ. संध्या कुमारी सिंह
5.शंकर पुणतांबेकर का व्यंग्य साहित्य -डॉ. मीना सुनील सुतवणी
6. हिन्दी उपन्यास का विकास – मधुरेश
7. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
8. उपन्यास का लोकधर्म - सं. डॉ. नैया
9. कथा का सौन्दर्य शास्त्र - प्रभाकर क्षोत्रिय
10. उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल - सं. डॉ. मधु खराटे
11.लोकमन का सिरजनहार : भगवानदास मोरवाल - सं. डॉ. लोकेश कुमार गुप्ता

CamScanner

PAPER III, SEMESTER – III

NAME OF PROGRAM	**: B. A. (C.B.C.S)**
NAME OF THE COURSE	**: S. Y. B. A.**
COURSE CODE	**: UAHIN302**
TOTAL LECTURES	**: 45**
CREDITS	**: 03**

अभिप्राय एवं उद्देश्य- Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक भाषा की जानकारी देते हुए कार्यालयीन तथा अन्य व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करते हुए लेखन कौशल का विकास करना।
2. विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिंदी तथा अंग्रेजी की पारिभाषिक शब्दावली से परिचिय करवाना।
3. विद्यार्थियों को व्यावसायिक/ कार्यालयीन पत्राचार से अवगत करवाना।
4. विद्यार्थियों को अंग्रेजी/ मराठी भाषा से हिंदी भाषा में अनुवाद कौशल का विकास करना।
5. विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी से अवगत कराना।
6. विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों के विकास से परिचिय करवाना।

परिणाम- Outcomes:

1. विद्यार्थियों को व्यावहारिक हिन्दी भाषा-दक्षता की प्रवीणता की प्राप्ति होगी।
2. विद्यार्थियों का व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता के योग्य बनाना।
3. विद्यार्थियों जनसंचार माध्यमों में रोज़गार के अवसर, क्षेत्रों से अवगत होंगे।

अध्यापन प्रणालियाँ- Teaching Method:

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. दृश्य/ श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।
3. राजभाषा अधिकारियों/ जनसंचार माध्यमों से संलग्न व्यक्तियों के अतिथि व्याख्यान।
4. स्वाध्याय/ परियोजना।

CamScanner

S. Y. B. A. PAPER- III, SEMESTER –III

इकाई 1. प्रयोजनमूलक हिंदी :

- प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ और परिभाषा
- सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी
- प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप एवं विशेषताएँ
- प्रयोजनमूलक हिदी : व्यवहार क्षेत्र

इकाई 2. कार्यालयीन एवं व्यावसायिक पत्र-लेखन :

- कार्यालयीन पत्र : कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक
- व्यावसायिक पत्र : आवेदन (रिक्त पद/अवकाश), पूछताछ, क्रयादेश
- शिकायती पत्र (सार्वजनिक)

इकाई 3. अनुवाद :

- अनुवाद : अर्थ, परिभाषा
- अनुवाद के भेद:

(i) शब्दानुवाद (ii) भावानुवाद
(iii) अर्थानुवाद (iv) सारानुवाद
(v) सर्जनात्मक अनुवाद (काव्यानुवाद/कथानुवाद)

- अनुवाद : महत्व एवं उपयोगिता

इकाई 4. पत्रकारिता :

- पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व
- हिंदी पत्रकारिता : विकासक्रम
- पत्रकारिता के विविध रूप (खेल पत्रकारिता, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की पत्रकारिता, साहित्यिक- संस्कृतिक पत्रकारिता)

इकाई 5. व्यावहारिक अनुवाद : पारिभाषिक शब्दावली

- अंग्रेजी / मराठी से हिंदी में अनुवाद
- पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ, परिभाषा और महत्त्व
- निर्धारित पारिभाषिक शब्दों के 50 हिन्दी प्रतिशब्द

1. Accounting Year : लेखा वर्ष
2. Approval : अनुमोदन
3. Arrears : बकाया राशि
4. Basic Pay : मूलवेतन
5. Brought Forward : आगे लाया गया
6. Concerned : संबंधित
7. Confidential : गोपनीय

CamScanner

8. Consumer	:	उपभोक्ता
9. Deduction	:	कटौती
10. Deficit	:	घाटा
11. Delete	:	हटा दीजिए
12. Enclosure	:	संलग्नक
13. Excise Duty	:	उत्पाद शुल्क
14. Favourable	:	अनुकूल
15. Forth Coming	:	आगमी
16. Forged Signature	:	जाली हस्ताक्षर
17. Gazette	:	राजपत्र
18. Grant	:	अनुदान
19. Guideline	:	दिशानिर्देश
20. Honorary	:	अवैतनिक
21. Incentive	:	प्रोत्साहन
22. In charge	:	प्रभारी
23. Increment	:	वेतनवृद्धि
24. Joint Committee	:	संयुक्त समिति
25. Key Post	:	मुख्य पद
26. Ledger	:	बहीखाता
27. Leave	:	छुट्टी
28. Maturity	:	परिपक्वता
29. Minutes	:	कार्यवृत्त
30. Norm	:	मानक/मानदण्ड
31. Notice	:	सूचना
32. Outline	:	रूपरेखा
33. Renewal	:	नवीकरण
34. Please Verify	:	कृपया सत्यापन/जाँच करें
35. Proposal	:	प्रस्ताव
36. Password	:	पारण शब्द
37. Section	:	अनुभाग
38. Show Cause Notice	:	कारण बताओ सूचना
39. Specimen Signature	:	नमूना हस्ताक्षर
40. Standard	:	मानक
41. Tentative List	:	अस्थायी सूची
42. Testimonial	:	प्रशंसा-पत्र
43. Transfer	:	स्थानांतरण
44. Unauthorized	:	अनधिकृत

CamScanner

45. Vacancy : रिक्त पद
46. Value Declared : घोषित मूल्य
47. Violation : उल्लंघन
48. Waiting list : प्रतीक्षा सूची
49. With Reference तो : के संदर्भ में
50. Zonal Office : आंचलिक कार्यालय

इकाई- विभाजन- SEMESTER-III, PAPER III, COURSE CODE- UAHIN302

इकाई-1-व्याख्यान 8–प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई-2-व्याख्यान 8–कार्यालयीन एवं व्यावसायिक पत्र-लेखन

इकाई-3–व्याख्यान 8–अनुवाद

इकाई-4-व्याख्यान 8–पत्रकारिता

इकाई-5-व्याख्यान 8–व्यावहारिक अनुवाद एवं पारिभाषिक शब्दावली

व्याख्यान-05-पाठालोचन और प्रश्न चर्चा

क्रेडिट- 03

विद्यार्थियों हेतु प्रश्न पत्र का प्रारूप

प्रश्न पत्र- III, सेमेस्टर- III (तृतीय सत्र)

पूर्णांक- 80 **समय- 3 घंटे**

पूछे गए 1 से 6 प्रश्नों में से 4 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 20x4 = 80

प्रश्न 7 वां अनिवार्य होगा।

अ. अनुवाद (अंग्रेजी/मराठी से हिंदी) अंक 10

आ. हिंदी पारिभाषिक शब्द (10 शब्द) अंक 10

योग = 100

सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. नरेश मिश्र
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
4. अनुवाद सिद्धांत - भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद का समकाल – डॉ. मोहसिन ख़ान
6. कार्यालय दीपिका - हरीबाबू कंसल
7. अभिनव व्यावहारिक पत्र लेखन - डॉ.अनिल सिंह
8. आधुनिक पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी
9. ऑनलाइन पत्रकारिता - हर्षदेव
10. बदलती पत्रकारिता गिरते मूल्य - डॉ.निशांत सिंह
11. हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास – डॉ. रचना भोला 'यामिनी'
12. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता- अजय कुमार सिंह

CamScanner

PAPER III, SEMESTER – IV

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)
NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A.
COURSE CODE : UAHIN402
TOTAL LECTURES : 45
CREDITS : 03

अभिप्राय एवं उद्देश्य- Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को जनसंचार-भाषा की जानकारी देते हुए व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करना।
2. विद्यार्थियों को परंपरागत जनसंचार माध्यमों से परिचिय कराते हुए नव्य-संचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक के आंतरिक और बाह्य पक्षों का सामाजिक सरोकारों को दर्शना।
3. विद्यार्थियों को समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, साक्षात्कार, फ़ीचर लेखन लेखन से अवगत करवाना।
4. विद्यार्थियों को सोशल मीडिया, कंप्यूटर, टेलीविज़न इत्यादि के भाषाई प्रयोगों का परिचय देना।

परिणाम- Outcomes:

1. विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावहारिक भाषा दक्षता की प्रवीणता प्राप्ति होगी।
2. व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता की संभावना बढ़ेगी।
3. जनसंचार माध्यमों में रोज़गार के क्षेत्रों से परिचय होगा।

अध्यापन प्रणालियाँ- Teaching Method:

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. दृश्य/ श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।
3. राजभाषा अधिकारियों/ जनसंचार माध्यमों से संलग्न व्यक्तियों के अतिथि व्याख्यान।
4. स्वाध्याय/ परियोजना।
5. शैक्षणिक भ्रमण।

CamScanner

S. Y. B. A. PAPER III, SEMESTER – IV

इकाई 1. जनसंचार :

- अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- जनसंचार के तत्त्व

इकाई 2. जनसंचार माध्यम :

- परंपरागत संचार माध्यमों का सामान्य परिचय एवं भेद
  (तमाशा, लावणी, कठपुतली, नोटंकी, कीर्तन, लोक-संगीत)
- आधुनिक जनसंचार माध्यमों का सामान्य परिचय एवं भेद
  (मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक)

इकाई 3. जनसंचार माध्यमों का विकास एवं उपयोगिता :

(i) समाचार पत्र (ii) रेडियो (iii) सिनेमा
(iv) टेलीविज़न (v) कंप्यूटर (vi) मोबाइल
(vii) सोशल मीडिया

इकाई 4. जनसंचार माध्यमोपयोगी लेखन : सामान्य परिचय

(i) समाचार लेखन (ii) साक्षात्कार
(iii) फ़ीचर लेखन (iv) संपादकीय
(v) संवाद लेखन (vi) पुस्तक एवं फ़िल्म समीक्षा
(vii) विज्ञापन लेखन

इकाई 5. माध्यमोपयोगी लेखन :

(i) समाचार लेखन (ii) फ़ीचर लेखन (iii) संवाद लेखन
(iv) फ़िल्म समीक्षा (v) विज्ञापन लेखन

- ***पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित वस्तुनिष्ठ 50 प्रश्न***

1. संचार अंग्रेजी के किस शब्द का पर्याय है?
2. अर्थ की दृष्टि से संचार से सम्बद्ध कौन सा शब्द है ?
3. स्रोत और श्रोता के बीच कौन सी प्रक्रिया होती है?
4. किन्हीं दो संचार माध्यमों के नाम लिखिए?
5. भारतीय पत्रकारिता का जनक किसे माना जाता है?
6. भारत में रंगीन दूरदर्शन का सूत्रपात कब हुआ?
7. निरक्षर लोगों के बीच सन्देश प्रसारित करने के लिए कौन सा माध्यम उपयुक्त है?
8. रेडियो प्रसारण के क्षेत्र में विविध भारती का आरम्भ कब हुआ?
9. भारत की पहली बोलती फिल्म कौन सी है?
10. हिंदी का पहला समाचार पत्र कौन सा था?
11. भारतेंदु द्वारा प्रकाशित किसी एक पत्रिका का नाम लिखिए?
12. केसरी पत्र का सम्बन्ध किस भाषा से रहा?
13. सरस्वती पत्रिका का पहला अंक कब प्रकाशित हुआ था?
14. अंग्रेजी में अनुवाद के लिए किस शब्द का प्रयोग होता है।

CamScanner

15. रेडियो जनसंचार का किस प्रकार का माध्यम है?
16. दिनांक ८ जून, १९३६ को इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग का नाम बदलकर क्या रख दिया गया?
17. भारत में पहला टेलीविज़न केंद्र कहाँ स्थापित हुआ?
18. दादा साहब फाल्के को भारतीय सिनेमा किस नाम से याद करता है?
19. सन १९५७ में 'ऑल इंडिया रेडियो' का नाम बदलकर क्या रखा गया?
20. 'हवा महल' कार्यक्रम का संबंध किस संचार माध्यम से है?
21. मुंबई में दूरदर्शन का केंद्र किस वर्ष शुरू हुआ?
22. प्रसार भारती का सम्बन्ध किन संचार माध्यमों से है?
23. दूरदर्शन पर चर्चित 'हम लोग' धारावाहिक के लेखक कौन थे?
24. 'सोप ओपेरा' शब्द किस के लिए प्रयुक्त होता है?
25. सोनी टी.वी. का सम्बन्ध किस देश से है?
26. डिस्कवरी चैनल किस प्रकार का चैनल है?
27. 'दैनिक भास्कर' में कार्टून कॉलम किस नाम से प्रकाशित होताहै?
28. 'कंप्यूटर' की उत्पत्ति किस शब्द से हुई है?
29. कंप्यूटर की मुख्य या प्राथमिक मेमोरी किसे कहा जाता है?
30. कंप्यूटर से सम्बद्ध शब्द 'अंडू' का क्या तात्पर्य है?
31. टी.वी. चैनलों पर कमर्शियल ब्रेक से क्या तात्पर्य है?
32. आधुनिक जनसंपर्क का जनक किसे मन जाता है?
33. कठपुतली किस प्रकार का माध्यम है?
34. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की स्थापना कब हुई?
35. इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन की स्थापना किस वर्ष हुई?
36. किस देश में सब से पहले खोजी पत्रकारिता को मान्यता मिली?
37. खोजी पत्रकारिता की कोई एक विशेषता लिखिए?
38. देविका रानी को सर्वप्रथम कौन सा पुरस्कार प्रदान किया गया?
39. आज़ादी से पूर्व पत्रकारिता का स्वरूप व्यावसायिक न होकर कैसा था?
40. समाचार पत्र की आय बढ़ाने में किस विभाग की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है?
41. आज़ादी के बाद किस वर्ष कॉपीराईट एक्ट बना?
42. सन १९७५ में किस अधिनियम के अंतर्गत सेंसरशिप लागू की गई?
43. उत्तर प्रदेश से प्रकाशित पहला हिंदी समाचार पत्र कौन सा है?
44. 'कवि वचन सुधा' पत्रिका का प्रकाशक कौन था?
45. दो प्रभावशाली सोशल मीडिया के नाम लिखिए?
46. ट्विटर की स्थापना कब हुई?
47. फेसबुक की स्थापना किसने की?
48. इन्सटाग्राम का एक उपयोग लिखिए?
49. स्नेपचेट की शरुवात किसने की?
50. सोशल मीडिया में टम्बलर का प्रयोग किस लिए किया जाता है?

CamScanner

इकाई- विभाजन- SEMESTER-IV, PAPER III, COURSE CODE- UAHIN402

इकाई-1–व्याख्यान 8–जनसंचार-अर्थ परिभाषा स्वरूप एवं तत्त्व

इकाई-2–व्याख्यान 8-परम्परागत एवं आधुनिक जनसंचार माध्यम

इकाई-3– व्याख्यान 8-जनसंचार-विकास एवं उपयोगिता

इकाई-4–व्याख्यान 8-माध्यमोपयोगी लेखन-सामान्य परिचय

इकाई-5–व्याख्यान 8-विविध माध्यमोपयोगी लेखन का अभ्यास

व्याख्यान-05-पाठालोचन और प्रश्न चर्चा

क्रेडिट- 03

विद्यार्थियों हेतु प्रश्न पत्र का प्रारूप

प्रश्न पत्र- III, सेमेस्टर IV(चतुर्थ सत्र)

पूर्णांक- 100 **समय- 03:00 घंटे**

पूछे गए 1 से 6 प्रश्नों में से 4 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।	20x4 = 80
प्रश्न 7 वां अनिवार्य होगा।	
अ-पूछे गए 4 (चार) में से 2 (दो) माध्यमोपयोगी लेखन	अंक-10
आ-अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंक-10
	योग = 100

सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची

1. जनसंचार एवं समाज - डॉ. मोनिका नागोरी
2. आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी - डॉ. हरिमोहन
3. भारतीय मीडिया – डॉ. स्मिता मिश्र
4. मीडिया की बदलती भाषा - डॉ.अजयकुमार सिंह
5. मीडिया और हिंदी – बदलती प्रवृत्तियां-सं.रविन्द्र जाधव/ केशव मोरे
6. संचार माध्यम लेखन - गौरी शंकर रैना
7. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला - डॉ.हरिमोहन
8. जनसंचार विविध आयाम - डॉ.बृजमोहन गुप्त
9. मीडिया लेखन, सिद्धान्त और व्यहार – डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र
10. संचार से जनसंचार और जनसम्पर्क तक - बलवीर कुन्दरा
11. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सिद्धांत - रूपचन्द गौतम
12. संचार सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. प्रेमचंद पांतजलि
13. जनसंचार माध्यम – चुनौतियाँ और दायित्व – डॉ. त्रिभुवन राय

****

CamScanner